हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 27 अप्रैल 2026

12 फतेहाबाद में पिछले साल से 14 हजार एमटी कम हुई गेहूं आवक...

12 बाढ़ पीड़ित किसानों को मुआवजे के लिए भरेंगे हुंकार

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे पर गांव बड़ोपल के समीप एक कार ने स्कूटी में टक्कर दे मारी। इस हादसे में घायल स्कूटी सवार को उपचार के लिए फतेहाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में फतेहाबाद सदर थाना पुलिस ने आरोपी कार ड्राइवर पर केस दर्ज कर लिया है। कार हिसार जिले के बरवाला क्षेत्र में रजिस्टर्ड है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मारपीट और धमकी देने के मामले में दो काबू

फतेहाबाद। ढाणी भोजराज में हुई सामूहिक मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए भूना पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बन्टी पुत्र जगदीश और ओंकार उर्फ विकास पुत्र साधू राम निवासी ढाणी भोजराज के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि ढाणी भोजराज निवासी सुभाष ने शिकायत दर्ज करवाई थी।

कुल्हाड़ी से वार करने वाला आरोपी पकड़ा

फतेहाबाद। थाना भूना पुलिस ने गांव ढाणी भोजराज में एक किरयाना दुकानदार पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अंकित उर्फ सन्नी पुत्र जगदीश के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता राजेश कुमार, जो गांव में पंचायत सदस्य भी हैं, ने बताया कि 24 अप्रैल को वह एक विवाद में समझौता करवाने गए थे, जिससे आरोपी रंजिश रखने लगे। इसी रंजिश के चलते आरोपी अंकित और उसके साथी सचिन ने दुकान पर आकर उन पर हमला किया।

अवैध शराब बेचते व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ा

फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक व्यक्ति को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 8 बोतल अवैध शराब बरामद की है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस टीम गांव बिराबदी बस अड्डे के पास गश्त पर थी। इसी दौरान कार्रवाई की।

स्वामी फूलचंद महाराज की 25वीं पुण्यतिथि मनाई

रतिया। संत शिरोमणि स्वामी फूलचंद महाराज की 25वीं पुण्यतिथि रविवार को बुढलाड़ा रोड स्थित जैन समाधि पर तप, त्याग द्वारा हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के सैंकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह जानकारी देते हुए जैन समाधि संस्था के प्रधान सुरेश जिंदल ने बताया कि रतिया में विराजमान ज्योतिष आचार्य उप प्रवर्तक सत्य प्रकाश महाराज, सेवा भावी समर्थ मुनि महाराज आदि के सानिध्य में बजे महामंत्र का जाप किया गया।

नई ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस नीति-2026 के तहत लिया फैसला

अब पंचायतें संभालेंगी पेयजल प्रबंधन बिल रिकवरी पर सरकार देगी 'डबल' पैसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

हरियाणा सरकार के ग्रामीण जल संरक्षण अभियान के तहत फतेहाबाद जिले में पेयजल व्यवस्था को लेकर एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है।

अवैध कनेक्शनों पर सख्ती व मीटरिंग अनिवार्य

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की नई ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस नीति-2026 के तहत जिले की 233 ग्राम पंचायतों को अब गांव में जल आपूर्ति, रखरखाव और बिल वसूली की पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस नई नीति की सबसे खास बात यह है कि पंचायतें जल शुल्क के रूप में जितना राजस्व एकत्रित करेंगी, सरकार उतनी ही अतिरिक्त राशि यानि मैचिंग ग्रांट पंचायत के खाते में डालेगी। यानी पंचायत द्वारा वसूली गई राशि को सरकार दोगुना करके वापस देगी, जिसका उपयोग गांव में जल सुविधाओं के विस्तार पर किया जा सकेगा। इस योजना में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से जोड़ने के लिए स्वयं सहायता समूहों की मदद ली जाएगी। पानी के बिलों की वसूली का काम इन समूहों की महिलाएं करेंगी। प्रोत्साहन के तौर पर वसूल किए गए कुल बिल का 10 प्रतिशत हिस्सा सीधे इन महिलाओं के बैंक खातों में जमा किया जाएगा। इससे न केवल रिकवरी में तेजी आएगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। अब पंचायतों के पास पानी के नए कनेक्शन देने, अवैध कनेक्शनों पर कार्रवाई करने, मीटरिंग सुनिश्चित करने और शिकायतों के ऑनलाइन समाधान की शक्तियां होंगी। पंचायतें 'बिस्वास पोर्टल' के माध्यम से नए कनेक्शन और सीवर संबंधी कार्यों का प्रबंधन करेंगी।

रतिया। जानकारी देते हुए जनस्वास्थ्य विभाग फतेहाबाद के जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली। *फोटो: हरिभूमि*

ब्लॉक अनुसार चयनित पंचायतों का विवरण

ब्लॉक	चयनित पंचायतों की संख्या
फतेहाबाद	51
रतिया	44
टोहाना	42
नागपुर	35
भट्टूकलां	22
भूना	22
जाखल	17

निगरानी भी पंचायतों के जिम्मे

उपभोक्ताओं को एसएमएस के जरिए बिल की सूचना देना और डिजिटल भुगतान की निगरानी करना भी पंचायतों के जिम्मे होगा। योजना का मुख्य लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण को प्रतिदिन 55 लीटर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है।

ब्लॉकवार चयन और भविष्य की योजना

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली ने बताया कि इस योजना के लिए फतेहाबाद ब्लॉक के सर्वाधिक 51 गांवों का चयन किया गया है। इसके अलावा रतिया में 44, टोहाना में 42, नागपुर में 35, भट्टूकलां में 22, भूना में 22 और जखिल में 17 पंचायतों को शामिल किया गया है। वर्तमान में इन पंचायतों के बैंक खाते मुख्यालय के सिंगल खाते से जोड़े जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक से अधिक गांवों वाली लगभग 30 बड़ी ग्राम पंचायतों को साल 2027 में इस योजना से जोड़ा जाएगा। इस नई व्यवस्था से जहां एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी, वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए पंचायतों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। विभाग अब केवल तकनीकी सहयोग, गुणवत्ता नियंत्रण और प्रशिक्षण की भूमिका में रहेगा, जबकि धरातल पर प्रबंधन की कमान पूरी तरह ग्रामीणों के हाथ में होगी।

फतेहाबाद। टोहाना में लगी आग बुझाते दमकल कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

टोहाना में खाली प्लॉट के कचरे में लगी भीषण आग

- दमकल विभाग ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना में रेलवे रोड स्थित बक्शी ग्राउंड के समीप एक खाली प्लॉट में शनिवार देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि इसने आसपास के क्षेत्र में दहशत फैला दी। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की दो गाडियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। गनीमत यह रही कि आग को समय रहते रोक लिया गया, अन्यथा पास ही स्थित बैंकों और दुकानों को भारी नुकसान हो सकता था। मिली जानकारी के अनुसार, बक्शी ग्राउंड के पास खाली प्लॉट में शनिवार रात करीब 11 बजे आग की लपटें दिखाई दीं। आसपास के दुकानदारों और राहगीरों द्वारा फेंके गए कचरे के ढेर ने आग को तुरंत पकड़ लिया और उसने विकराल रूप ले लिया। स्थानीय निवासी रविंद्र ने बताया कि रोड से गुजरते समय जब उन्होंने लपटें देखीं, तो तुरंत दमकल विभाग और पार्षद रिंकू गर्ग को इसकी सूचना दी। इसके बाद दमकल की दो गाडियां मौके पर पहुंचीं और देर रात करीब दो बजे आग को बुझाया जा सका। जिस स्थान पर आग लगी, उसके ठीक सामने एसबीआई बैंक, पीएनबी बैंक और रेलवे रोड की कई प्रमुख दुकानें व सैलून स्थित हैं।

अनदेखी पर सवाल

इस घटना ने शहर में स्थित खाली प्लॉटों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। टोहाना शहर के कई हिस्सों में खाली प्लॉटों के मालिकों ने चारदीवारी नहीं करवाई है, जिसके कारण लोग वहां कचरा फेंक देते हैं। सूखे कचरे के इन ढेरों के कारण आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। नागरिकों ने आरोप लगाया है कि नगर परिषद ऐसे प्लॉट मालिकों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती, जो भविष्य में किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

---

4 दिन से लापता युवक का शव बरामद

- नहर में मिला शव, लोडिंग रिक्शा भी पानी में मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना में हिसार रोड स्थित फतेहाबाद ब्रांच नहर में पिछले चार दिनों से लापता एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान टोहाना निवासी राजेश सैनी पुत्र धर्मपाल सैनी के रूप में हुई है। शव के साथ ही नहर से मृतक का लाल रंग का मोटरसाइकिल लोडिंग रिक्शा भी बरामद हुआ है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की गहन तफ्तीश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, राजेश सैनी बीते 22 अप्रैल 2026 की रात लगभग 8 बजे से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता था। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि फतेहाबाद ब्रांच नहर में एक अज्ञात शव तैरता हुआ देखा गया है। सहारा टीम ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और समाज सेवी नवजोत सिंह ढिल्लों को सूचित किया गया। नवजोत सिंह ढिल्लों अपनी सहारा रेस्क्यू टीम के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।

राजेश सैनी। *(फाइल फोटो)*

पुलिस की जांच जारी

युवक की मौत और नहर में वाहन मिलने से मामला उलझ गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह कोई सडक हादसा था, आत्महत्या थी या फिर इसके पीछे कोई साजिश है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शुरुआती साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। स्थानीय निवासियों ने सहारा रेस्क्यू टीम के त्वरित कार्य की सराहना की है, वहीं प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द से जल्द सच्चाई सामने लाई जाए।

हरिणाया पुलिस का 'अभेद्य एप' बना नया कवच

- साइबर ठगी को रोकने के लिए पुलिस की पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराधियों पर लगाम कसने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी कदम उठाते हुए 'अभेद्य एप' लॉन्च किया है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल द्वारा शुरू किए गए इस एप को अब फतेहाबाद जिले में जन-जन तक पहुंचाने के लिए पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर के नेतृत्व में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह एप साइबर ठगी के शिकार होने वाले आम नागरिकों के लिए एक अभेद्य सुरक्षा कवच का काम करेगा। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने जिले के सभी थाना प्रबंधकों, सीआईए इंचार्ज और उप पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे इस अभियान को केवल औपचारिकता न समझकर एक मिशन के रूप में लें। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी अक्सर विदेशी नंबरों का उपयोग कर लोगों को डराने या लालच देकर ठगी करते हैं। 'अभेद्य एप' ऐसी संदिग्ध कॉलों की पहचान करने और बचाव में बेहद प्रभावी साबित होगा। प्रचार अभियान के तहत पुलिस अधिकारी स्वयं नागरिकों को एप डाउनलोड करने और उस पर पंजीकरण करने की जानकारी दे रहे हैं। साइबर सेल इंचार्ज को इस पूरे अभियान का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिले में अब तक 8 नागरिकों को व्यक्तिगत रूप से यह एप डाउनलोड करवाया जा चुका है। पुलिस रेडियो, सोशल मीडिया, ग्राम चौपालों और स्कूल-कॉलेजों के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रही है।

एसपी निकिता खट्टर।

अपराधियों के लिए बचना होगा मुश्किल

पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों को सतर्क करते हुए कहा कि कोई भी असली पुलिस अधिकारी फोन पर कभी भी ओटीपी या पैसों की मांग नहीं करता। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति को एक्सटॉर्शन कॉल यानि धमकी देकर पैसे मांगना या किसी भी तरह के फ्रॉड का अंदेशा हो, तो वह तुरंत अपने नजदीकी थाने से संपर्क करे और 'अभेद्य एप' का लाभ उठाए। एसपी ने अंत में दोहराया कि आधुनिक तकनीक और आमजन की भागीदारी के मेल से अब साइबर अपराधियों के लिए बचना मुश्किल होगा और इस एप के माध्यम से नागरिकों में सुरक्षा के प्रति विश्वास बहाल होगा।

पराली से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बिजली का खंभा टूटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ डबवाली

सड़क किनारे अवैध पार्किंग बन रही हादसों की वजह

डबवाली बस स्टैंड के नजदीक चौटाला रोड पर बीती देर रात पराली से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बिजली का खंभा टूट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली चौटाला रोड से गुजर रही थी, इसी दौरान वाहन की टक्कर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से हो गई, जिससे खंभा टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई है, जिससे इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने बताया कि यहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है और सड़क किनारे अवैध पार्किंग भी हादसों की बड़ी वजह बन रही है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अतिक्रमण हटाने, अवैध पार्किंग रोकने और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके। नगर परिषद चेयरमैन टेकचंद छाबड़ा ने कहा कि समस्या के समाधान के लिए जल्द कार्रवाई की जाएगी तथा अतिक्रमण को लेकर भी प्रशासनिक स्तर पर सख्ती बरती जाएगी।

---

20 मजदूरों के आशियाने जलकर खाक

बाल-बाल बचे दर्जनों व्यक्ति, सिलेंडर खाली होने से बड़ा हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

टोहाना के राजनगर इलाके में दोपहर बाद झुग्गी-झोपड़ियों में आग लग गई। इस घटना में लोगों का हजारों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। आग लगने का कारण बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस आग से 18 से 20 परिवारों की झोपड़ियां जलकर नष्ट हो गईं। प्रभावित परिवारों में ज्यादातर बिहार और उत्तर प्रदेश के निवासी हैं, जो टोहाना में मजदूरी का काम करते हैं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस के अनुसार, झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर खाली होने के कारण आग पर जल्दी नियंत्रण पाया जा सका, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

बिहार और यूपी के मजदूर परिवार प्रभावित

आग से प्रभावित होने वालों में यूपी के हसमगंज निवासी हरि प्रसाद और बिहार निवासी अमृत, सुनील, सतन सिंह, त्रिलोक चौधरी, इंद्र सिंह, सीता देवी, सरमन मंडल, अमृतबिन, कविता, जीतो, कमला पति, सुधा कुमारी, चंदनकुमारी, ललित सिंह, सुनीता देवी, सूरज बिंद, मरनी देवी, जानकीदेवी, सजन भील और रीना देवी शामिल हैं। चंडीगढ़ रोड चौकी प्रभारी ओमप्रकाश जांगड़ा ने बताया कि आग लगने की सूचना पर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची थी और फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। जांगड़ा ने पुष्टि की कि आग से किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है और आग पर काबू पा लिया गया है।

फार्म हाउस से सामान चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पुलिस ने गांव ओटू में स्थित एक फार्म हाउस से दो कैमरे, इनवर्टर बैट्री, पानी की मोटर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो युवकों को पुलिस ने बस स्टैंड गांव अभोली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। रानियां थाना प्रभारी ने बताया कि गांव ओटू निवासी योगेंद्र सिंह पुत्र शेर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 अप्रैल 2026 की शाम के समय फार्म हाउस पर ताला लगाकर घर चला गया था। अगले दिन सुबह वापस फार्म हाउस आया तो फार्म हाउस का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था। फार्म हाउस के अंदर कमरों को चेक किया तो कमरे के अंदर दो सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर, एलसीडी, चार इनवर्टर बैट्री, सोलर इन्वर्टर, पानी की मोटर, एक गैस सिलेंडर चोरी होने पाए गए। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाना रानियां में अज्ञात युवकों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान रानियां थाना की एक पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर चोरी की घटना में संलिप्त दो आरोपी मुखराम व प्रेम कुमार को बस स्टैंड अभोली से गिरफ्तार कर लिया है।

बार काउंसिल चुनाव में अमित राणा की जीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

चंडीगढ़ और पंचकूला में आयोजित बार कौंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा के चुनाव में वरिष्ठ अधिवक्ता अमित राणा ने महत्वपूर्ण जीत दर्ज की है। चुनाव मैदान में उतरे फतेहाबाद के अमित राणा को अधिवक्ताओं का व्यापक समर्थन मिला। इस जीत को उनके अनुभव और निरंतर सक्रियता का परिणाम माना जा रहा है। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद कानूनी बिरादरी में सकारात्मक माहौल देखा गया। राणा ने अपनी जीत का श्रेय अधिवक्ताओं के विश्वास और सहयोग को देते हुए उनके हितों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की बात कही। अमित राणा ने जीत के बाद कहा कि यह परिणाम अधिवक्ताओं के सामूहिक समर्थन और विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने सभी समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अधिवक्ताओं के सम्मान, अधिकारों और पेशेवर हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

अमित राणा

अब तक डीएसपी को नहीं दी क्लीन चिट, ग्रामीणों से फंड वसूली के आरोपों की जांच जारी

ढाणी भोजराज केस में बड़ा मोड़ : डीएसपी संजय बिश्नोई पर जांच तेज करने के आदेश

हाईकोर्ट में एसीबी का खुलासा, ऑडियो रिकॉर्डिंग बनी अहम सबूत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

ढाणी भोजराज में अंतरजातीय प्रेम विवाह के बाद दर्ज मुकदमे से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में बड़ा मोड़ आ गया है। हिसार एंटी करप्शन ब्यूरो की एफआईआर में रीडर दर्शन कुमार व अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ डीएसपी संजय बिश्नोई को भी आरोपी माना गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि डीएसपी को अब तक क्लीन चिट नहीं मिली है और उनके खिलाफ जांच प्रक्रिया जारी है। इससे मामले ने तूल पकड़ लिया है और पुलिस महकमे में हलचल बढ़ गई है। सुनवाई के दौरान एसीबी हिसार के आईपीएस अधिकारी हर्ष वर्मा स्वयं हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि डीएसपी संजय कुमार इस मामले में आरोपी हैं और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत जांच की स्वीकृति ली जा रही है। साथ ही उन्होंने साफ किया कि अभी तक डीएसपी को किसी भी स्तर पर दोषमुक्त नहीं किया गया है। हाईकोर्ट ने जांच एजेंसी को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीणों के बयान और उनसे जुड़े सभी रिकॉर्ड अदालत में पेश किए जाएं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में इकट्ठा किए गए फंड का एक हिस्सा डीएसपी तक पहुंचाया गया था। इन आरोपों को गंभीर मानते हुए अदालत ने जांच को तेज करने के आदेश दिए हैं।

जाने क्या है पूरा मामला

दरअसल, यह पूरा मामला 31 जनवरी 2025 को शुरू हुआ, जब गांव का एक युवक-युवती घर से चले गए और 4 फरवरी को अंतरजातीय प्रेम विवाह कर लिया। युवक अनुसूचित जाति और युवती सामान्य वर्ग से संबंधित होने के कारण युवक के परिजनों का गांव में सामाजिक बहिष्कार किया गया। जिसमें 15 फरवरी को पुलिस ने 9 लोगों को नामजद करते हुए करीब 50 अन्य के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया। पहले इस मामले की जांच डीएसपी जयपाल सिंह को सौंपी गई थी, लेकिन बाद में इसे बदलकर डीएसपी संजय कुमार को दे दिया गया। जांच के बाद मामला अफवाहों का बताया गया और मुकदमा कैंसिल करके चौकीदार को आरोपी बनाया गया। इसी बीच भूना निवासी नरेश सोनी ने 13 मई 2025 को एसीबी में शिकायत देकर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। शिकायत में कहा गया कि एससी/एसटी एक्ट का भय दिखाकर गांव के 14 कुनबों से करीब 10 लाख रुपए की वसूली की गई। आरोप है कि करीब साढ़े पांच लाख रुपए डीएसपी तक पहुंचाने की बात रीडर ने ऑडियो में कबूल की और मामले में हिसार एसीबी ने डीएसपी के रीडर और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। वॉइस रिकॉर्डिंग की सैंपल भेजे गए थे, जिनकी आवाज का मिलान सही पाया गया। उधर इस मामले में फतेहाबाद के डीएसपी (हेडक्वार्टर) संजय बिश्नोई पहले ही कह चुके हैं कि उसका मामले से कोई संबंध नहीं है। फिर भी अगर किसी ने शिकायत की है तो उसकी जांच हो जाएगी।

गांवों के नाम रागों पर आधारित

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में सात्विक प्रेम और विरह

हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोकगीत किसी भी समाज की आत्मा होते हैं। जब हम हरियाणा की बात करते हैं, तो अक्सर लोगों का ध्यान यहां की वीरता, कुश्ती के मैदानों की तरफ जाता है। लेकिन, हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है। आज हम हरियाणवी लोकगीतों के आईने में उस प्रेम और विरह को देखने की कोशिश करेंगे, जो हमारी माटी की असल पहचान है।

हरियाणवी लोकगीतों में विरह केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक अनुभव है। यहां का लोक-मानस प्रकृति के साथ इतना जुड़ा हुआ है कि मौसम बदलते ही मन की अवस्था भी बदल जाती है। जब पिया परदेश में हो, तो सावन की फुहारें या कोयल की कूक किसी कांटे की तरह चुभने लगती है। एक स्त्री जब अपने पिया के वियोग में होती है, तो वह प्रकृति को ही अपना साथी मान लेती है। हरियाणवी लोक-साहित्य में मौजूद 'बारामासा' गीत में एक स्त्री का अपने प्रिय के प्रति सात्विक मोह और समाज की ओर से पूछे जाने वाले सवालों का जवाब देखिए:

आम्बों की ठंडी सी छांह, निंबों नीचे क्यूं खड़ी?
के तेरे पिया परदेस, के तेरी सास बुरी?
उड़ जा रे काले से काग, तन्नै मेरी के पड़ी?
ना मेरे पिया परदेस, ना है मेरी सास बुरी।
आया है साढ़ज मास, आवैं घन घोर कै,
जो घर होत्ते म्हारे लाल, बंगला छुवावते।

इस गीत में स्त्री की जो मर्यादा है, वह काबिले तारीफ है। वह स्त्री अपनी निजी पीड़ा को सार्वजनिक नहीं करती। वह अपनी गरिमा बनाए रखती है। जब मन में विरह की आग जल रही हो, तो बाहर की हर सुरीली चीज़ भी शोर लगने लगती है। कोयल की आवाज़ जो वसंत में लोगों को मोह लेती है, एक विरहिणी के लिए बेचैनी का कारण बन जाती है। यहां लोकगीत की वह गहराई देखिए, जहां वह कोयल से ही संवाद करने लगती है:

मेरे पिया गए परदेस, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
यो सै मेरे पिया जी का नां, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
तूं तै काली बणी भगवान, काम्मण उनकी गोरी सै।
मेरे मन म्हं उठैं सै हिलोर, तूं काल क्यूं हो री सै।
तूं तै काले बादल की गैल, उड़ जा री अम्बर म्हं।
बेबे! हम विरहण की रात कटै सै पीहर म्हं।

यहां नायिका को लगता है कि कोयल उसे उसके प्रिय की याद दिलाकर सता रही है। वह कोयल से ही शिकायत करती है कि तू क्यों बोल रही है? क्या तुझे पता है कि मेरे पिया परदेश में हैं? यह लोक-साहित्य का वह जादू है, जहां निर्जीव और सजीव को एक ही धागे में पिरो दिया गया है। पीहर (मायके) में बैठी वह नायिका, अपने पति से दूर है, और उसकी टीस इन शब्दों में साफ़ झलकती है।

पुराने समय में चिट्ठी का आना किसी बड़े आयोजन से कम नहीं था। चिट्ठी में लिखे शब्द प्रियतम की उपस्थिति का अहसास कराते थे। लेकिन उन शब्दों को पढ़ना और फिर रो पड़ना, यह एक विरहिणी की सहज प्रतिक्रिया है। जब सहेलियां घेरा डाल कर पूछती हैं कि जीजा जी ने क्या लिखा है, तो उस बेचारी का हाल देखिए:

बांचत बांचत हुई हाल बेहाल,
आंख्यां तैं आंसू ढारती
हाय री, अभागण नार,
पिया बिन दिन एकली काटती।

हरियाणवी लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे महलों की कहानियां नहीं सुनाते, बल्कि खेतों में पसीना बहाने वाली आम औरत की कहानी सुनाते हैं। यहां का प्रेम भी मेहनत से जुड़ा है। काम के बीच पिया की याद आना, यह दिखाता है कि प्रेम कोई अलग से किया जाने वाला काम नहीं, बल्कि जीने का एक हिस्सा है। देखिए, खेत में काम करती एक स्त्री जब अपने पति से मिलती है:

मेरे पिया की चिट्ठी आई बेबे ए छुट्टी मिलदी ना मूल
सिर पर घड़वा कांधै पै कसौल्ला बेबे हे
ईख नुलावण जांसीसम निच्चै घड़वा तार्या बेबे ए
बीघे का धर लिया घेर सारे सरीर पै तै आया पसिन्ना बेबे ए मुट्ठी हो गई लाल''

इस गीत में प्रेम का एक व्यावहारिक पक्ष दृष्टिगोचर होता है। पति का आना, काम छोड़ कर उसे लेने जाना, और फिर घर की बातें करना, यह जीवन का सबसे सुंदर दृश्य है। यहां यह दर्शाया गया है कि पति-पत्नी का रिश्ता केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी का आधार भी है। यह सात्विक प्रेम है, जहां पसीने की गंध में भी प्यार की खुशबू है। बुढ़ापे में या तन्हाई में इंसान अपने अतीत की उन छोटी-छोटी बातों को याद करता है जो कभी सामान्य लगती थीं, लेकिन अब बहुत कीमती हो गई हैं। पति-पत्नी का साथ नहाना, साथ खाना, और वो 'मस्त' हो जाना, ये बातें आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गायब होती जा रही हैं। लोकगीत हमें उसी सादगी की याद दिलाते हैं:

ये जुल्मी नैण बुरे कोए दिन याद करो
एक न्हाणा न्हाण आले दो जणैन्हा
न्हा मस्त हुए कोए दिन याद करो
एक खाणा खाण आले दो जणै

कितनी गहरी बात कही गई है! 'जुल्मी नैण' जो उन पुराने दिनों को याद करके दुखी हो रहे हैं। वह समय जब दो लोग साथ खाते-पीते थे और खुश रहते थे। यह प्रेम का वह शुद्ध रूप है, जहां किसी बड़े उपहार की आवश्यकता नहीं थी, बस साथ होना ही काफी था। सुख कहीं बाहर नहीं, बल्कि अपने ही घर में, अपने साथी के साथ बिताए गए पलों में है। हरियाणवी लोकगीतों में नायक और नायिका का संवाद बहुत चतुर होता है। वे सीधे-सीधे बात नहीं कहते, बल्कि गीतों के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। यहां देखिए एक नायक जब अपनी नायिका से मिलने का बहाना ढूंढता है, तो वह कैसे अपनी चतुराई और मर्यादा का परिचय देती है:

हो रास्ते में पड़ गयो झील, छैल तेरे आने जाने में
हो तेरा बाप घर पर नहीं, छैल तेरी मय्या बुला रही सै
हो मेरी अम्मां गंगा नीर, नीर के दोष लगावो मत ना
हो तेरा भय्या घर पर नहीं, छैल तेरी भाभी बुला रही सै

यह गीत भारतीय संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण है। नायक उसे बुलाने के लिए घर के हर सदस्य का नाम लेता है, लेकिन नायिका हर सदस्य को एक पवित्र चीज़ (गंगा नीर, जमुना नीर, कच्चा दूध) से जोड़कर उसे गलत साबित कर देती है। यह प्रेम में भी एक नैतिक मर्यादा का पालन है। यहां कोई वासना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को परखने और मर्यादा में रहने का एक अनूठा खेल है। हरियाणवी स्त्री का यह 'सतीत्व' और 'मर्यादा' लोक गीतों में ही सुरक्षित है।

हमारे यहां अतिथि को भगवान माना गया है, और जब वह अतिथि स्वयं 'प्रियतम' हो, तो सेवा का भाव और भी बढ़ जाता है। पत्नी अपने पति के लिए किस प्रकार का भाव रखती है, इसे देखिए:

म्हारे बाग का मिसरी मेवा चाख कै नै जाइये
तेरे हाथ की रै माली की रोटी ना भावै
कच्चे पाक्के फल तोड़ै मनै आच्छे ना लागैं
सेठ की सिठाणी पै तेरी रोटी पुआ द्यूंगी

यह केवल भोजन कराने का गीत नहीं है। यह प्रेम की वह पराकाष्ठा है, जहां एक पत्नी अपने पति को रोकना चाहती है। वह उसे अपने बगीचे का मेवा खिलाना चाहती है, उसे आराम देना चाहती है। असल में हरियाणा का लोक-साहित्य प्रेम और विरह को कभी भी रुग्ण या नकारात्मक नहीं मानता। यहां प्रेम केवल एक आकर्षण नहीं है, यह जीवन की एक बड़ी जिम्मेदारी है। पति-पत्नी का रिश्ता, जो इन गीतों का केंद्र है, वह त्याग और समझौते पर टिका है। चाहे वह परदेश जाने का दुःख हो या साथ बिताए पलों की याद, हरियाणवी लोक-गीतों ने इन भावनाओं को शब्दों की ऐसी माला में पिरोया है कि वे सदियों बाद भी ताजी लगती हैं। इन गीतों में वर्णित नायिका अबला नहीं है, वह एक सबल स्त्री है जो अपने परिवार के प्रति संवेदनशील है, अपनी मर्यादा के प्रति सजग है और अपने प्रियतम के प्रति समर्पित है।

अंत में, यही कह सकते हैं कि हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

गजल — रामफल गौड़

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी।
हांस हांस कै ले स्याबास्सी ।

इब इतिहास नवा लिखणा सै,
कथा पुराणी होल्यी बास्सी ।

अरधसरीरी नार सदा की,
मूरख कहण लगे थे दास्सी ।

करदे आच्छा काम कदे बी,
के मावस सै के पणवास्सी ।

भांड्डा फुट्टै च्योड़ै काल्लर,
कै दिन चाल्लैगी बदमास्सी ।

बण्या कैरियर जी की बाज्जी ,
करोंत पड़ै सै लेणा कांस्सी ।

आवैं बाळक ईब मिलण न्यूं,
पंछी हों ज्युक्कर परवास्सी।

सदा चालिए चाल आपणी,
नकल करण तै होसै हांस्सी।

कड़ै छणैं सैं दूध अर नीर,
हंस जड़ै आवैं फरमास्सी।

देख कुढंग गाम के रामफळ ,
लोग बणे इब सैह्र निवास्सी ।

रागिनी — भूपसिंह 'भारती'

मतना काटो पेड़ां नै

मतना काटो पेड़ां नै, न्यू कहरी बेटी थारी।
शुद्ध हवा हमनै दे कै, रखवाली करते म्हारी।।

लालच के चक्कर म्हा थम, कती नहीं शर्माए,
पाच्छै पड़ रहे पेड़ा कै, ये जंगल काट भगाये,
जै ये पेड़ नहीं बचाये, ना बचै ये दुनियादारी।

धरती का सिंगार करै, करकै ये हरियाली,
बरखा नै ये ले कै आवै, ल्यावै सै खुशहाली,
जंगल करो नहीं खाली, पेड़ा पै धरकै आरी।

धरती मां के घने लाडले, जन्म जन्म के साथी,
पर्यावरण शुद्ध करकै, ये बणते सदा हिमाती,
लूएं रोकै ताती ताती, दे सीली छाया प्यारी।

मीठे मीठे फल देवै, ये देवै भोजन पाणी,
पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ, कहै बात या बेटी याणी,
समझ 'भारती' बात या स्याणी, फेर खिलै फुलवारी।
मतना काटो पेड़ा नै, न्यू कहरी बेटी थारी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

परिवेश — **आज के दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता**

चौपाल की गूंज से डिजिटल मौन तक

बदलाव — सरिता

हरियाणा की माटी की खुशबू केवल खेतों की सौंधी सुगंध में नहीं, बल्कि उन अनकहे रिश्तों और सांस्कृतिक ताने-बाने में रची-बसी थी, जो कभी गांवों की पहचान हुआ करते थे। आज जब हम हरियाणा के ग्रामीण परिवेश को देखते हैं तो पाते हैं कि यह बदलाव एक संपूर्ण 'जीवन-दर्शन' का रूपांतरण है।

कभी जो चौपालें गांव का हृदय हुआ करती थीं, आज वहां सन्नाटा पसरा है और भौतिक विकास की चकाचौंध के बीच मानवीय संवेदनाओं का अर्थ बदल गया है। कुछ दशकों पहले तक, हरियाणा के गांवों में 'भाईचारा' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक ढंग था। गांव की चौपाल महज ईंट-पत्थर का एक ढांचा न होकर गांव का 'सुप्रीम कोर्ट' और 'सांस्कृतिक केंद्र' थी। शाम ढलते ही चौपाल पर जो चर्चाएं होती थीं, उनमें राजनीति से लेकर सारे गाँव का सुख-दुःख, लोक-कला और रागनियों की समीक्षा तक शामिल होती थी। उस दौर में गांव की हर खुशी और हर गम साझा होता था। फसल की कटाई हो या किसी के घर विवाह, पूरा गांव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। कुंओं की जगत पर महिलाओं का मिलना और लोकगीतों के माध्यम से सुख-दुख साझा करना, एक ऐसा 'सोशल नेटवर्क' था जो आज के डिजिटल युग से कहीं अधिक मजबूत था। आपको याद है ना .... 'मेरे सिर पै बंटा टोकणी' और 'पाणी लेण मैं तो कुंए पै गयी थी' ये लोकगीत शाम को कानों में पड़ते थे तो दिनभर की थकान दूर हो जाती थी। उस समय की भाषा में मिठास थी और व्यवहार में 'मान-मर्यादा' का भाव था। व्यक्ति अपनी पहचान से अधिक अपने गोत्र और गांव की प्रतिष्ठा के प्रति समर्पित रहता था। वहां तर्क के साथ-साथ 'लोक-विवेक' को अधिक महत्व दिया जाता था। समय का पहिया घूमा, तो ग्रामीण हरियाणा का भौतिक स्वरूप तेजी से बदलने लगा। कच्चे घरों की जगह कंक्रीट के बहुमंजिला मकानों ने ले ली। इस निर्माण के साथ ही 'आंगन' सिमट गए। संयुक्त परिवार, जो सुरक्षा और संस्कारों के संवाहक थे, एकल परिवारों में टूट गए। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी बड़ा बदलाव आया। खेती के साथ पशुपालन और पारंपरिक हस्तशिल्प की महत्ता कम होती गई। युवा पीढ़ी का झुकाव शहरों की ओर बढ़ा, जिससे गांवों में 'बुजुर्गों का अकेलापन' एक नई चुनौती बनकर उभरा। जो चौपाल कभी विचारों के आदान-प्रदान का केंद्र थी, वहां अब केवल बुजुर्गों की यादें शेष बची हैं या फिर वह केवल चुनाव के समय राजनीतिक अखाड़ा बन गई हैं। आज का ग्रामीण परिवेश एक अजीब से द्वंद्व में जी रहा है। एक तरफ भौतिक सुख-सुविधाएं हैं तो दूसरी तरफ मानसिक तनाव। मोबाइल और सोशल मीडिया ने गांव को वैश्विक दुनिया से तो जोड़ दिया है, लेकिन पड़ोसियों से दूरी भी बढ़ा दी है। अब लोग एक ही गांव में रहते हुए भी एक-दूसरे से डिजिटल तरीके से जुड़े हैं, लेकिन आमने-सामने बैठकर 'दिल की बात' करने का वक्त कम हो गया है। सबसे बड़ा बदलाव भाषा और संस्कारों में आया है। हरियाणवी बोली, जो अपनी ओजस्विता के लिए जानी जाती थी, वह आज अपनी शुद्धता खो रही है।

नई पीढ़ी के लिए लोक-साहित्य और रागनियों का स्थान अभद्र गीतों और फूहड़ता परोसती वेब सीरीज ने ले लिया है। सोशल मीडिया पर अश्लील और द्विअर्थी संवादों को लेकर सामग्री परोसकर लाइक और व्यूज बटोरते बुजुर्ग, महिलाएं तथा बच्चे बहुसंख्या में देखे जा सकते हैं। संस्कारों का वह ढांचा, जो नैतिकता और बड़ों के प्रति सम्मान पर टिका था, वह अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। जब हम इन दो युगों की तुलना करते हैं, तो यह कहना कठिन है कि परिवर्तन पूरी तरह नकारात्मक है। आज का ग्रामीण हरियाणा अधिक शिक्षित है, जागरूक है और आर्थिक रूप से सशक्त भी। प्रश्न यह है कि क्या हमने विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को सुरक्षित रखा है? प्राचीन हरियाणा में जो 'सामूहिकता' थी, वह आज की 'वैयक्तिकता' में कहीं खो गई है। पहले जहां व्यक्ति 'गांव का हिस्सा' था, वहीं आज वह 'दुनिया का नागरिक' बनने की होड़ में है। इस दौड़ में सबसे बड़ी क्षति 'लोक-स्मृतियों' की हुई है। दादा-दादी की कहानियों से मिलने वाले संस्कार और चौपालों पर मिलने वाले व्यावहारिक ज्ञान का स्थान अब गूगल और एआई ने ले लिया है।

हरियाणा के बदलते परिवेश को नकारना असंभव है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। लेकिन सांस्कृतिक विस्थापन को रोकना हमारे हाथ में है। अगर हम उस सोच को, उस भाईचारे को, और उस लोक-चेतना को अपने जीवन में फिर से स्थान दे सकें, तो हम आधुनिकता के साथ-साथ अपनी जड़ों को भी जीवित रख पाएंगे। दरअसल आज के बदलते दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ हमें उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता है। क्योंकि अंततः, एक समाज की असली पहचान उसके कंक्रीट के जंगलों से नहीं, बल्कि उस भाईचारे से होती है जो मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे के काम आता है।

सांस्कृतिक विरासत के सजग प्रहरी हैं मुकेश काले

कलाकार — अंकुर शर्मा

हरियाणा की माटी और यहां की आबोहवा में रची-बसी रागनियों ने न केवल इस प्रदेश को वैश्विक स्तर पर पहचान दी है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखा है। जब हम हरियाणा के लोक रंग की चर्चा करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान पुराने दौर के गायकों पर जाता है, लेकिन वर्तमान समय में रेवाड़ी जिले के एक युवा कलाकार ने आधुनिकता और परंपरा के बीच एक ऐसा सेतु बनाया है जिसने सबको अचंभित कर दिया है। यह नाम है-मुकेश काले। मुकेश काले, जिनका मूल नाम मुकेश जांगड़ा है, का जन्म 29 नवंबर, 1999 को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के एक छोटे से गांव देहलावास गुलाबपुरा में हुआ।

इनके पिता श्री हरिप्रकाश और माता आशा देवी ने बचपन से ही उन्हें संस्कारों की घुट्टी पिलाई। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े काले का मन बचपन से ही चौपालों में होने वाली भजन मंडलियों और रागनियों में रमता था, जहां वे गांव की मंडलियों और जागरणों का हिस्सा बनते थे।अक्सर यह माना जाता है कि उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में जाने के बाद युवा अपनी जड़ों से कट जाते हैं, लेकिन काले ने इस धारणा को गलत साबित किया। उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थान एनआईटी, कुरुक्षेत्र से बी.टेक. की डिग्री हासिल की और वर्तमान में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एक इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। कार्यक्षेत्र की व्यस्तताओं के बावजूद, उनके भीतर का कलाकार निरंतर सक्रिय रहा है। काले की गायकी की जड़ें उन दिग्गजों के सान्निध्य में गहरी हुई हैं, जिन्होंने रेडियो और सांग के माध्यम से हरियाणा की लोक कला को जीवित रखा। वे प्रेम सिंह देहाती, रेडियो कलाकार गुलाब सिंह खांडेवाल, निरंजन सांगी और गढ़वा लाइन के मास्टर सतबीर पालेराम दहिया को अपना आदर्श मानते हैं और लंबे समय तक उन्हें ही सुन-सुनकर सीखा है। उनकी लोकगीतों की ओर रुचि तब जगी, जब उन्होंने अनुभव किया कि पंडित लखमीचंद ने अपनी प्रसिद्ध रागनियों की धुनें लोकगीतों से ही प्रेरित होकर बनाई थीं। आज 'कइयो री खाती के लड़के ने', 'राम-लक्ष्मण दशरथ के बेटे' और 'दादा इस जांदे परदेस जाइये' उनके सबसे प्रिय लोकगीत हैं। मुकेश काले की सबसे बड़ी पहचान उनकी 'मोमेंटरी' गायकी है, जो किसी वाद्य यंत्र की मोहताज नहीं है। वे अक्सर एक साधारण मेज, स्कूल की बेंच या केवल अपने हाथ की थाप से ही वह लय पैदा कर देते हैं, जिसे सुनने के लिए लाखों लोग उनके सोशल मीडिया हैंडल पर उमड़ पड़ते हैं। उनका मानना है कि लोक संगीत लोगों के द्वारा, लोगों के लिए और लोगों के बीच ही जन्म लेता है। वे तर्क देते हैं कि जैसे कुम्हार बर्तन बनाते हुए या माताएं स्वेटर बुनते हुए गाती हैं, उन्हें किसी साज़ की ज़रूरत नहीं होती। संगीत अगर आपके भीतर है, तो वह कंप्यूटर पर काम करते हुए टेबल की थाप से भी प्रकट हो सकता है। उनकी इसी मौलिकता के कारण आज इंस्टाग्राम पर 62,000 और फेसबुक पर 36,000 से अधिक अनुयायी उनसे जुड़े हैं। काले केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक गंभीर शोधार्थी भी हैं। वे उन 50-60 कवियों की रचनाओं को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं जो समय के साथ दादा लखमीचंद और मांगेराम जैसे दिग्गजों के प्रभामंडल में कहीं ओझल हो गए। मुकेश काले इन विस्मृत रचनाओं पर निजी तौर पर शोध कर रहे हैं ताकि उन्हें पुनर्जीवित किया जा सके। उनका मुख्य ध्येय हरियाणा के 'लोक संगीत' को वैश्विक पहचान दिलाना है। वे भविष्य में एक 'हरियाणवी लोक बैंड' बनाने की दिशा में भी अग्रसर हैं, जो पारंपरिक रागनियों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जा सके।'

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी बोली को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं, जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके।

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी भाषा को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष हरियाणा का 'स्वर्ण जयंती गीत' प्रस्तुत कर चुके काले सिद्ध कर रहे हैं कि आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है। एक इंजीनियर की तार्किक बुद्धि और एक लोक कलाकार का संवेदनशील हृदय जब साथ मिलते हैं, तो मुकेश काले जैसी प्रतिभा का जन्म होता है। आज के 'अपसंस्कृति' के दौर में वे हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना के एक मजबूत स्तंभ हैं। उनकी यह यात्रा उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपनी संस्कृति को 'पिछड़ा' मानकर उससे दूर भागते हैं।

सर्व कर्मचारी संघ की बैठक में आंदोलनों का शंखनाद

मई दिवस पर जिलेभर में प्रदर्शन करेंगे कर्मचारी

कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम को तुरंत खत्म कर कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

सर्व कर्मचारी संघ जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आज जिला प्रधान सुरजीत दुसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में विभिन्न सरकारी विभागों के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और राज्य कमेटी के आह्वान पर आगामी आंदोलनों को लेकर रणनीति तैयार की। बैठक का कुशल संचालन जिला सचिव रामनिवास शर्मा द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधान बेगराज और भूपसिंह भड़ोलावाली ने कहा कि प्रदेश में ठेका प्रथा कर्मचारियों का शोषण कर रही है। उन्होंने मांग की कि कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम को तुरंत खत्म कर कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए और समान काम-समान वेतन का नियम लागू हो। इन मांगों को लेकर संघ ने एक विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है, जिसके तहत सभी विभागों के कच्चे कर्मचारियों से एक विस्तृत प्रोफार्मा भरवाकर मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा। इसी कड़ी में 17 मई को रोहतक में राज्य स्तरीय कन्वेंशन का आयोजन होगा, जिसमें फतेहाबाद जिले से भारी संख्या में कच्चे व पक्के कर्मचारी शामिल होंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 1 मई को मई दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न ब्लॉकों में प्रदर्शन किए जाएंगे। फतेहाबाद व भट्टू में जनसंगठनों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कार्यक्रम होगा। रतिया, भूना, टोहाना और जाखल क्षेत्रों में ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम व प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

फतेहाबाद। आंदोलनों को लेकर चर्चा करते सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

आवाज उठा रहे कर्मचारियों पर लाठीचार्ज करना निंदनीय

सर्व कर्मचारी संघ ने 8 अप्रैल से लगातार जारी फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की हड़ताल को अपना पूर्ण समर्थन दिया है। संघ ने फरीदाबाद में आग बुझाते समय शहीद हुए कच्चे फायर कर्मचारियों के परिवारों को उचित आर्थिक सहायता देने की पुरजोर मांग की। इसके साथ ही, पदाधिकारियों ने पानीपत रिफाइनरी, फरीदाबाद और मानेसर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में काम कर रहे मजदूरों की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जहाँ 10-12 हजार रुपये में 12-12 घंटे काम लिया जा रहा है, वहां अपने हक की आवाज उठा रहे कर्मचारियों पर लाठीचार्ज करना बेहद निंदनीय है। इस कार्यकारिणी बैठक में राजपाल मिताथल, मलकीत सिंह, पवन माचरा, गुरदयाल, नरेश राणा, ओम प्रकाश लोट और विरेन्द्र बेनीवाल सहित कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया और संगठन की मजबूती पर जोर दिया।

1 से 30 तक प्रगणक घर-घर जाकर करेंगे सत्यापन एवं सूचीकरण का कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए स्व-गणना की सुविधा शुरू है। जिला के नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपने परिवार एवं मकान से संबंधित जानकारी दर्ज कर रहे हैं। डीसी डा. विवेक भारती ने बताया कि स्व-गणना की प्रक्रिया 30 अप्रैल तक जारी रहेगी। इस दौरान नागरिक घर बैठे ही निर्धारित पोर्टल पर जाकर अपना डेटा भर सकते हैं। इसके बाद 1 मई से 30 मई तक प्रगणक घर-घर जाकर सत्यापन एवं सूचीकरण का कार्य करेंगे।

फतेहाबाद। डीसी डॉ. विवेक भारती।

डीसी ने बताया कि नागरिक पोर्टल पर जाकर आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के दौरान राज्य का चयन कर परिवार के मुखिया का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। एक बार दर्ज किया गया मुखिया का नाम और चयनित भाषा बाद में बदली नहीं जा सकेगी, इसलिए इसे सावधानीपूर्वक भरें।

स्व-गणना के बाद भी क्षेत्रीय सत्यापन अनिवार्य

जानकारी सफलतापूर्वक सबमिट करने के बाद 11 अंकों की एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या जारी की जाएगी, जो मोबाइल और ईमेल पर प्राप्त होगी। डीसी ने बताया कि स्व-गणना के बाद भी क्षेत्रीय सत्यापन अनिवार्य रहेगा। जब प्रगणक घर-घर सर्वे के लिए आएंगे, तब नागरिकों को अपनी एसई आईडी साझा करनी होगी। यदि विवरण का मिलान हो जाता है, तो डेटा को अंतिम रूप से स्वीकार कर लिया जाएगा, अन्यथा प्रगणक पुनः जानकारी एकत्रित करेंगे।

राज्य स्तरीय स्पर्धा में लहराया परचम

सिरसा। रेवाड़ी में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सिरसा के गुरुनानक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गुरुनानक स्कूल के विद्यार्थी जतिन ने बेस्ट ड्रामेबाज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया वहीं क्ले मॉडलिंग में आदित्य ने प्रथम समूह में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी प्रकार क्ले मॉडलिंग द्वितीय समूह में संचित ने प्रथम स्थान हासिल किया जबकि थाली पूजन में गुरवंश ने द्वितीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

स्वगणना से विकास को मिलेगी नई दिशाः नगराधीश

सिरसा। नगराधीश अजय सिंह ने कहा कि भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए स्व-गणना की सुविधा शुरू है। जिला के नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपने परिवार एवं मकान से संबंधित जानकारी दर्ज कर रहे हैं। स्व-गणना की प्रक्रिया 30 अप्रैल तक जारी रहेगी। इस दौरान नागरिक घर बैठे ही निर्धारित पोर्टल पर जाकर अपना डेटा भर सकते हैं। इसके बाद 1 मई से 30 मई 2026 तक प्रगणक घर-घर जाकर सत्यापन एवं सूचीकरण का कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि स्व-गणना कार्य में जिला के सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न स्वयंसेवी समूहों का भी सराहनीय सहयोग मिल रहा है, जिससे अभियान को गति मिल रही है। उन्होंने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि वे इस सरल और पारदर्शी डिजिटल प्रक्रिया का अधिकतम लाभ उठाएं और जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय सहयोग दें। रविवार को स्थानीय जैन पार्क तथा वार्ड नंबर 25 में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

छाजूराम लॉ कॉलेज में हुआ विदाई समारोह

- छात्रा मीनाक्षी की धमाकेदार प्रस्तुति ने समारोह में जोश और उत्साह का संचार करते हुए कार्यक्रम में खूब तालियां बटोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। छाजूराम लॉ कॉलेज में आयोजित विदाई समारोह में उपस्थित अतिथि व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

छाजू राम लॉ कॉलेज, हिसार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना से हुई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और मंगलमय बना दिया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार काजल ने विद्यार्थियों को अनुशासन, कड़ी मेहनत और उच्च नैतिक मूल्यों को अपनाने की सीख दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कॉलेज जीवन में अर्जित ज्ञान और अनुभव विद्यार्थियों को हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाता हैं और उन्हें सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

इसके पश्चात छात्रा मीनाक्षी की धमाकेदार प्रस्तुति ने समारोह में जोश और उत्साह का संचार करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे माहौल को जीवंत बनाए रखा।

प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका डॉ. ज्योति बूरा, डॉ. अनीता और डॉ. कैलाशवती ने निभाई। समारोह में मिस्टर फेयरवेल का खिताब अजय तथा मिस फेयरवेल का खिताब शिवानी ने जीता, वहीं गीतीश और भव्या को क्रमशः मिस्टर एवं मिस पर्सनैलिटी चुना गया। तेजिंदर और ज्योत को मिस्टर एवं मिस ईव के विशेष खिताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त टीचिंग एवं नॉन-टीचिंग स्टाफ भी उपस्थित रहा और उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यार्थियों ने भावुक माहौल में एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए यादगार पलों के साथ विदाई ली।

महिला सहित तीन नशा तस्कर पकड़े

- गांव कागदाना और रोड़ी क्षेत्र में कार्रवाई, 10 ग्राम नशा पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। हेरोइन के साथ पकड़े गए नशा तस्कर। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने जिले क्षेत्र से एक महिला सहित तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दस ग्राम हेरोइन बरामद की है। नाथूसरी चोपटा थाना प्रभारी ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान संदीप, बिमला व बंटू के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव कागदाना से होते हुए नाथूसरी चोपटा की तरफ जा रही थी। गांव कागदाना के नजदीक सामने से बाइक सवार एक युवक व महिला आते दिखाई दिए जो पुलिस को देखकर वापस मुड़ कर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर बाइक सवार दोनों को काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। इसके अलावा पुलिस ने गांव रोड़ी क्षेत्र से बंटू को हेरोइन सहित काबू किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान रोड़ी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई।

पंचायती सांड पर कुल्हाड़ी से हमला

हिसार। अग्रोहा क्षेत्र के गांव नगथला में पंचायती सांड पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसे घायल करने का मामला सामने आया है। इस घटना के रोष स्वरूप गौपुत्र सेना के पदाधिकारियों ने थाना अग्रोहा में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गौपुत्र सेना हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद स्वामी ने बताया कि उन्हें नंगथला गांव के सुनील से सूचना मिली कि गांव के ही ओमप्रकाश उर्फ कालू ने पंचायती सांड पर कुल्हाड़ी से वार कर उसे घायल कर दिया है। सूचना मिलने पर प्रमोद स्वामी मौके पर पहुंचे, जहां धर्मेंद्र नागर, डॉ. नरेश और दीपक नायक मौजूद थे। धर्मेंद्र नागर के अनुसार, उन्होंने आरोपी को सांड पर हमला करते हुए देखा।

बीजेपी ने महिला आरक्षण को परिसीमन का हथियार बनाया : प्रो. संपत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने कहा है कि लोकसभा में हाल ही में नारी शक्ति वंदन विधेयक का नाटकीय पतन कोई विधायी विफलता नहीं था। यह सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के सामने रखा गया एक आईना था जो दिखाता है कि दिखावटी नारीवाद और वास्तविक राजनीतिक इच्छाशक्ति के बीच कितनी गहरी खाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए महिला आरक्षण कभी न्याय का प्रश्न नहीं रहा। यह हमेशा छवि निर्माण, वोट बैंक और चुपचाप सत्ता के केंद्रीकरण का साधन रहा है। प्रो. संपत सिंह ने कहा कि 17 अप्रैल 2026 की इस त्रासदी को समझने के लिए भारत में मताधिकार के इतिहास पर एक नजर डालना आवश्यक है। वास्तविक बदलाव 1949 में भारत के संविधान के साथ आया, जिसने शुरुआत से ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार दिया—जो पहले के सभी कानूनों से एक बड़ा बदलाव था। बाद में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों ने स्थानीय निकायों व पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण दिया, जिससे लाखों महिलाएं जमीनी स्तर की राजनीति में आईं। उन्होंने कहा कि 1996 में प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने महिला आरक्षण विधेयक पेश किया, लेकिन वह पारित नहीं हो सका। बाद में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी प्रयास किया, लेकिन बार-बार यह विधेयक ठंडे बस्ते में जाता रहा क्योंकि भाजपा ने कभी पूरे मन से इस विधेयक का समर्थन नहीं किया। उसने केवल औपचारिक समर्थन दिया। प्रो. संपत सिंह ने कहा कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम सर्वसम्मति से पारित हुआ। सभी दलों ने इसका समर्थन किया। यह पूरे सदन की सामूहिक उपलब्धि थी। तीन साल के भीतर ही उसी पार्टी ने एक नया संस्करण पेश किया जिसमें एक छिपा हुआ जहर था। सरकार ने इसके लागू होने को 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन से जोड़ दिया और जानबूझकर 2026-27 की चल रही जनगणना, जो 1931 के बाद पहली व्यापक जातिगत गणना है, को दरकिनार कर दिया।

9वीं से 12वीं के 50 विद्यार्थियों को वितरित की पुस्तकें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक का तीसरा पुस्तक वितरण समारोह रविवार को गौशाला के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के महासचिव प्रेम कंदोई ने बताया कि ट्रस्ट के अध्यक्ष गुरदीप सैनी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में सैनी ने विद्यार्थियों से कहा कि बुक बैंक पिछले 5 वर्ष से 15000 विद्यार्थियों को लाभान्वित कर चुका है, जिसमें पाठ्य पुस्तकों के सेट, निशुल्क चश्मा, स्टेशनरी स्कूल शूज, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें वितरित किया जाना शामिल है। प्रेम कंदोई व अनिल सैनी ने बताया कि रविवार को कक्षा नौवीं से लेकर 12वीं कक्षा के 50 विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के सेट तथा 5 विद्यार्थियों को निशुल्क चश्मे के साथ-साथ चार विद्यार्थियों को स्टेशनरी प्रदान की गई। जो भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहता है और पैसे की कमी के कारण वह पढ़ाई छोड़ रहा है तो उसे बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक से संपर्क करना चाहिए, उनकी हरसंभव आर्थिक मदद दी जाएगी।

गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट संतनगर ने गुरमन राय को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

दिल्ली में आयोजित 69वें नैशनल स्कूल गेम्स के अंडर-17 वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले गुरमन राय को गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट संतनगर की ओर से रविवार को स्टेडियम में सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के प्रधान हरपिंद्र सिंह कूका ने बताया कि गुरमन राय के साथ-साथ कोच गुरबचन सिंह, हरप्रीत व मेहर चंद को भी स मानित किया गया, जिनके मार्गदर्शन में गुरमन राय ने ये उपलब्धि हासिल की। हरपिंद्र कूका ने कहा कि खेलों में भी करियर की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस जरूरत है, उन्हें सही मंच प्रदान करने की।

सिरसा। कांस्य पदक विजेता को सम्मानित करते हुए।

इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं को प्रोत्साहन मिलता है और वे दोगुनी मेहतन के साथ आगे बढने का प्रयास करते हैं। इस मौके पर कोच गुरबचन सिंह, हरप्रीत व मेहर चंद ने कहा कि गुरमन राय में खेल के प्रति अपार ललक है और वह समर्पित भाव से खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहा है। इससे पूर्व भी वह कई प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का के जोहर दिखा चुका है।इस मौके पर जतिंदर ढिल्लों, मलकीत सिंह, दविंदर काहलों, हीरा सिंह कोच, गुरदेव काहलों, शिंदा बराड़, अमर सिंह कूका, सूरज मेहता, जिंदरपाल सग्गू, सुरजीत सग्गू, जगतार नंबरदार, गुरमेल कोच गुरदेव काहलों, अमीर विर्क, गुरचरण किलेवाला, प्रोफेसर बूटा सिंह सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

सिरसा। छात्राओं को बुक व बैग वितरित करते क्लब के पदाधिकारी।

विद्यार्थी आशीर्वाद समारोह में 31 छात्राओं को बुक व बैग बांटे

डबवाली। सामाजिक संस्था वरच्युस क्लब इंडिया द्वारा वरच्युस बुक बैंक प्रकल्प के अंतर्गत तीसरा विद्यार्थी आशीर्वाद समारोह वरच्युस भवन में आयोजित किया गया। क्लब संस्थापक केशव शर्मा की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से चलाए जा रहे इस प्रकल्प का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करना है। समारोह में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की 31 जरूरतमंद कन्याओं को निशुल्क कंपलीट बुक सेट एवं स्कूल बैग वितरित किए गए। समारोह में मुख्य अतिथि राम कुमार सोनी ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. अमित बहल ने शिक्षा को जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए बच्चों को निरंतर मेहनत करते हुए जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

एनआईआरसी हिसार ब्रांच का क्रिकेट टूर्नामेंट जारी

हिसार। चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच के तत्वावधान में बोर्ड ऑफ स्टडीज (ऑपरेशंस) की ओर से शुरू किया गया तीन दिवसीय बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट पूरे उत्साह के साथ जारी है। दो दिनों तक 12 टीम के बीच हुए मैच में टीम आकांक्षा, टीम सागर, टीम शुभम व टीम तारुषि ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। इन चारों टीम में से दो विजेता टीम फाइनल खेलेंगी। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल ने बताया कि आईपीएल की तरह ही टीम बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट खेल रही हैं। इस टूर्नामेंट से एनआईआरसी के सदस्यों में भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

हिन्दू एकता वाहिनी की भजन संध्या में 'जय श्रीराम' के जयघोष गूंजे

भजन संध्या में दिखा आस्था-भक्ति व श्रद्धा का संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

तोशाम रोड स्थित आईटीआई चौक के समीप सहकार भवन में हिन्दू एकता वाहिनी की ओर से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। भाजपा की जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, रमेश कुमार तथा हिन्दू एकता वाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष एवं भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक पीयूष मेहता ने ज्योत प्रज्वलित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया। हिन्दू एकता वाहिनी द्वारा सहकार भवन में आकर्षक व भव्य दरबार सजाया गया था। जय श्री राम के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। हिन्दू एकता वाहिनी द्वारा सजे हुए दरबार और भक्तिमय माहौल ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। भजन संध्या को लेकर हिन्दू एकता वाहिनी द्वारा विशेष तैयारियां की गई थीं। भजन गायक रिंकू खुराना समेत अनेक गायकों ने बाबा और माता रानी के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए और पूरा पंडाल भक्ति रस में डूब गया। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। काफी संख्या श्रद्धालुओं ने भजन संध्या में भाग लिया। भजन संध्या के बारे में हिन्दू एकता वाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष पीयूष मेहता ने कहा कि पहले की तरह आपस में जुड़ाव रहे और समरसता की भावना पैदा हो।

फतेहाबाद। आंदोलनों को लेकर चर्चा करते सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

धार्मिक आयोजनों से समरसता बढ़ाने का हो रहा काम

पीयूष मेहता ने कहा कि हिन्दू एकता वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुकम सिंह भाटी व 15 राज्यों में नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष एक ऐसा सपना देख रहे हैं हिन्दुस्तान के कोने-कोने में करोड़ों लोग एक दिन और एक समय में हनुमान चालीसा का पाठ करें। इस उद्देश्य को लेकर हिन्दू एकता वाहिनी की राष्ट्रीय टीम चल रही है। राष्ट्रीय टीम के इस विजन को हरियाणा में राष्ट्रीय एकता वाहिनी की टीम पूरे जोर-शोर से आगे बढ़ाने में लगी हुई है। प्रदेशाध्यक्ष पीयूष मेहता ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में 15 राज्यों में टीम धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समरसता बढ़ाने का काम कर रही है। पूरे देश में एक साथ करोड़ों लोग हनुमान चालीसा पाठ का उच्चारण करना हिन्दू एकता वाहिनी की राष्ट्रीय टीम का मकसद है।

खबर संक्षेप

चेक बाउंस मामले में उद्घोषित गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने चेक बाउंस मामले में वांछित भगोड़े आरोपी को ऐलनाबाद क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। हुड्डा पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि अदालत द्वारा आरोपी को बार-बार नोटिस देने पर भी आरोपी अदालत में हाजिर नही आया। अदालत ने आरोपी बलबीर सिंह को 19 जुलाई 2025 को पीओ घोषित किया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चेक बाउंस मामले में वांछित आरोपी बलबीर सिंह निवासी ऐलनाबाद को काबू कर लिया।

विधायक की गोशाला को 21 लाख देने की घोषणा

रतिया। लाली रोड पर बनी श्री केशव गोवर्धन गौशाला के सदस्य अध्यक्ष विद्यासागर बाघला की अध्यक्षता में रतिया विधायक जरनैल सिंह से मिले और गौशाला में गौ माता के रखरखाव को लेकर वित्तीय सहायता की मांग की। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि गौ माता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म और पुण्य का कार्य है और जो लोग इस सेवा को निभा रहे हैं वह वास्तव में मानव धर्म का काम कर रहे हैं। उन्होंने गौशाला कमेटी को अपने कोटे से 21 लाख रुपए देने की घोषणा की जो जल्द ही गौशाला कमेटी को दिए जाएंगे। इस अवसर पर पंजाबी सभा अध्यक्ष सतीश हांडा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष केवल मेहता, सुरेश झांब, खेमचंद मोंगा व अन्य मौजूद रहे।

7 मंडियों व 44 खरीद केन्द्रों में 57336 किसान बेच चुके फसल

फतेहाबाद में पिछले साल से 14 हजार एमटी कम हुई गेहूं की आवक, अब तक 51.76% की लिफ्टिंग

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

जिला की मंडियों में गेहूं खरीद का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, वैसे ही गेहूं की आवक भी रफ्तार पकड़ रही है। इस समय तक खेतों में गेहूं कटाई का काम पूरा हो चुका है। अब मंडियों में खरीद व लिफ्टिंग का काम शेष है। अब तक जिले की मंडियों में 6 लाख 47 हजार 173 एमटी गेहूं की खरीद हो चुकी है। अब तक मंडियों से 3 लाख 35 हजार 4 एमटी गेहूं की लिफ्टिंग हो चुकी है जबकि 3 लाख 12 हजार 169 एमटी गेहूं मंडियों में पड़ी है। यानि कि अब तक 51.76 प्रतिशत गेहूं की लिफ्टिंग हो चुकी है। जिले की 7 मंडियों व 44 खरीद केन्द्रों में 57 हजार 336 किसान अपनी फसल बेच चुके हैं।

फतेहाबाद। मंडियों में हुई गेहूं की आवक। फोटो: हरिभूमि

मौसम ने बढ़ाई परेशानी

मंडी के आढ़तियों का मानना है कि किसान अपनी गेहूं मंडियों में ला चुके हैं। अब खरीद के बाद लिफ्टिंग का काम शेष बचा हुआ है। उम्मीद है एक सप्ताह तक पूरी गेहूं मंडियों में से उठा ली जाएगी। मौसम विभाग ने आज-कल में मौसम खराब होने की बात कही है। ऐसे में मंडियों में खरीद की धीमी रफ्तार और तकनीकी खामियों के कारण किसान परेशान हैं। किसानों को चिंता है कि जब उठान ने तेजी नहीं पकड़ी तो खराब मौसम में उनकी गेहूं खराब हो सकती है। हालांकि सरकारी खरीद 15 मई तक होनी है। मंडियों में गेहूं खरीद की रफ्तार धीमी होने से हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। तकनीकी खामियां, पोर्टल संबंधी दिक्कतें और उठान की धीमी प्रक्रिया के चलते किसानों को घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई मंडियों में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें लगी हैं। इससे किसानों को न केवल समय की हानि हो रही है, बल्कि गर्मी में खड़े रहने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार लगातार बढ़ती गर्मी मानव स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर डाल रही है। तेज धूप में लंबे समय तक काम करने से लू लगने, डिहाइड्रेशन, चक्कर आना और थकावट जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। खेतों और मंडियों में काम कर रहे किसानों और मजदूरों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। पर्याप्त पानी पीना, सिर को ढककर रखना और दोपहर के समय काम से बचना जरूरी बताया जा रहा है। किसानों का कहना है कि यदि मंडियों में खरीद प्रक्रिया तेज नहीं हुई तो आने वाले दिनों में स्थिति और कठिन हो सकती है। मंडियों में आवक लगातार बढ़ रही है, ऐसे में मंडियों में जगह की कमी और लंबा इंतजार समस्या को और बढ़ा सकता है। प्रशासन द्वारा व्यवस्था सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी राहत सीमित नजर आ रही है। किसानों का कहना है कि गर्मी के कारण काम करना मुश्किल हो रहा है और मंडी में इंतजार अलग से बढ़ रहा है। खरीद तेज होनी चाहिए ताकि राहत मिल सके।

एजेंसी वाइज आंकड़े

एजेंसी	कुल खरीद	कुल लिफ्टिंग
फूड एंड सप्लाई	154612	74146
हैफेड	277419	146303
एचडब्ल्यूसी	205865	108536
एफसीआई	9277	6019
कुल	647173	335004

(आंकड़े एमटी में)

उठान न होने से बढ़ी परेशानी

फतेहाबाद। जिले में इस बार गेहूं की आवक ने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। जिले की अनाज मंडियों में गेहूं का अंबार लगा हुआ है, लेकिन उठान की प्रक्रिया कछुआ चाल से चलने के कारण मंडियों में पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। प्रशासन द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस सीजन में अब तक कुल 6 लाख 47 हजार 173 एमटी गेहूं की खरीद हो चुकी है जबकि पिछले साल कुल 6 लाख 61 हजार 485 एमटी गेहूं की खरीद हुई थी। यानि कि इस समय तक 14 हजार एमटी गेहूं कम खरीद हुई है। अभी गेहूं का सीजन जारी है। उम्मीद है कि इस बार गेहूं खरीद का रिकॉर्ड पिछले साल के आंकड़े को पार कर जाएगा। बंपर पैदावार ने जहां किसानों के चेहरे पर खुशी लाई है, वहीं मंडियों की व्यवस्था चरमरा गई है।

पिछले 6 साल में हुई गेहूं की खरीद

वर्ष	कुल खरीद (एमटी)
2020	712551
2021	696461
2022	429641
2023	614657
2024	701641
2025	661485
2026	647173 (अब तक)

(आंकड़े एमटी में)

मंडियों में अव्यवस्था से किसान व व्यापारी परेशानः सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की अनाज मंडियों में चल रहे खरीद सीजन के दौरान उत्पन्न अव्यवस्थाएं सरकार की कमजोर और अधूरी तैयारियों को उजागर करती हैं। पूरे सीजन में किसान, व्यापारी और मंडी मजदूर सभी वर्ग लगातार परेशान हो रहे हैं, जो अत्यंत गंभीर स्थिति है। सरकार की ओर से किए जा रहे सभी दावे फेल हो चुके है, सरकार दावे पर दावे करे जा रही है और किसान मंडी में धक्के खा रहा है। सांसद कुमारी सैलजा ने जारी बयान में कहा कि सरकार द्वारा मेरी फसल मेरा ब्यौरा जैसे पोर्टल के माध्यम से सभी आंकड़े होने का दावा किया जाता है, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है। न तो उत्पादन के सही आंकड़े उपलब्ध थे और न ही मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। परिणामस्वरूप कहीं मजदूरों की कमी रही, तो कहीं उठान में देरी और अव्यवस्था देखने को मिली। सांसद ने कहा कि प्रदेश में अधिकतर जिला में जिन्हें उठान का ठेका दिया गया है उनकी ओर से घोर लापरवाही की जा रही है जिसकी सरकार अनदेखी कर रही है। मंडियों में न तो फसल के उठान के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रक है, अधिकतर मंडी में वाहनों की कमी के चलते उठान नहीं हो पा रहा है। दूसरी ओर मंडियों में मजदूरों की संख्या में कमी देखी जा रही है, इस कमी के चलते भी अव्यवस्था फैल रही है।

2010 से पहले लगे शिक्षकों को टीईटी से छूट दिलाने की मांग, विधायक को ज्ञापन सौंपा

■ विधायक का आश्वासन, विस सत्र में मामला उठाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। विधायक बलवान सिंह को ज्ञापन सौंपते अध्यापक संघ के पदाधिकारी।

शिक्षकों पर थोपी जा रही टीईटी यानि शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्य शर्त के विरोध में हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की जिला व ब्लॉक कार्यकारिणी का प्रतिनिधिमंडल फतेहाबाद के विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों की मांग है कि 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त अध्यापकों को इस शर्त से स्थायी तौर पर छूट दी जाए। विधायक बलवान सिंह दौलतपूरिया ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि वे आगामी विधानसभा सत्र में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे और शिक्षकों की आवाज सरकार तक पहुंचाएंगे।

संघ के जिला प्रधान राजपाल मिताथल और राज्य ऑडिटर सुरजीत दुसाद ने बताया कि देश भर में हजारों ऐसे शिक्षक हैं जिनकी भर्ती 2010 से पहले के नियमों के तहत हुई थी। ये शिक्षक पिछले 15 से 30 वर्षों से ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। अब अचानक नई योग्यता लागू करने से इन शिक्षकों में नौकरी खोने का भय और मानसिक पीड़ा व्याप्त है।

सिरसा। रानियां अनाज मंडी का निरीक्षण करते भाजपा जिलाध्यक्ष यातेंद्र सिंह एडवोकेट।

डिंग मंडी में गेहूं का उठान सप्ताह से ठप, आढ़ती हो रहे परेशान

सिरसा। डिंग की नई अनाज मंडी में गेहूं के उठान की धीमी रफ्तार ने आढ़तियों और किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मंडी में दुकानों के आगे गेहूं के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं, जो पिछले करीब एक सप्ताह से नहीं उठ पाए हैं। इससे जहां आढ़तियों को भंडारण और व्यवस्था में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं किसानों को भी अपनी उपज के भुगतान में देरी और नई फसल रखने के लिए स्थान की कमी जैसी समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं। जानकारी अनुसार इस बार मंडी में गेहूं की आवक एक अप्रैल से शुरू हुई थी और अब तक कुल 7,26,347 क्विंटल गेहूं मंडी में पहुंच चुका है। इसके मुकाबले केवल 2,71,501 क्विंटल गेहूं का ही उठान हो पाया है, जो व्यवस्था की सुस्ती को दर्शाता है। लगातार बढ़ती आवक और सीमित उठान के कारण मंडी में अव्यवस्था की स्थिति बनती जा रही है। रविवार को कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई, हालांकि मंडी क्षेत्र में बारिश से बचाव रहा। बावजूद इसके, मौसम में बदलाव के चलते खुले में पड़े गेहूं को नुकसान का खतरा बना हुआ है।

लड़कों में गुरवीर, सहजमीत व लड़कियों में कोमल रानी व रूपनीत कौर बनीं बेस्ट प्लेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

श्री गुम्मटसर स्पोट्र्स टैलेंट लाइव ट्रस्ट रतिया द्वारा रविवार को गुमटसर अकेडमी के खेल मैदान में खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि अंग्रेज सिंह बोड़ा व गुरप्रीत सिंह अहरवां ने हरी झंडी दिखाकर खेल का शुभ आरंभ किया।इस प्रतियोगिता के लडक़ों के वर्ग में गुरवीर ढिल्लों, सहजमीत खोखर व लड़कियों के वर्ग में कोमल रानी व रूपनीत कौर बेस्ट प्लेयर रहे। रस्साकसी में गुमटसर अकेडमी प्रथम व खोखर ढाणी दूसरे स्थान पर रही। हैंडबाल में अजीतसर ढाणी प्रथम व गुमटसर अकेडमी दूसरे स्थान पर रही व लडक़ों के वर्ग में 5 किलोमीटर रेस में गुरवीर पहले, कार्तिक दूसरे और युवराज सिंह तीसरे स्थान पर रहा। 800 मीटर रेस में हरविन्द्र चांदी, कर्ण सरोए, हैप्पी गुज्जर, टायर पुश में गुरवीर ढिल्लों, सहजमीत व दलीप, शॉट पुट में सहजमीत, गुरनुर, बवनदीप, लॉन्ग जंप में मयंक, दीशान, भूमित ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के वर्ग में 5 किलोमीटर वाक रेस में कोमल रानी, रीटा अरोडा, रमनदीप कौर, हाईजम्प में कोमल रानी, प्रीत कौर, अशिमता, 800 मीटर रेस में गीता रानी, पावनी जैन, यशिका गोयल ने बाजी मारी।

रतिया। खेल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

लायंस क्लब भूना रॉयल ने उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधन पर किया सम्मानित

भूना। लायंस क्लब भूना रॉयल के डायरेक्टर व प्रधान और सचिव सहायक कोषाध्यक्ष पवन सिंगला को इंटरनेशनल लेपिन लगाकर सम्मानित करते हुए।

भूना। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय लायंस क्लब भूना रॉयल ने अपने सदस्यों के उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित करने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए क्लब के सहायक कोषाध्यक्ष लायन पवन कुमार सिंगला को वर्ष 2026-27 के लिए उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधन के लिए सम्मानित किया। क्लब पदाधिकारियों ने उन्हें इंटरनेशनल लेपिन लगाकर सम्मानित किया और उनके कार्यों की सराहना की। रविवार को आयोजित विशेष बैठक की अध्यक्षता लायन मुकेश भूटानी ने की। बैठक में क्लब के सभी सदस्य मौजूद रहे और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों, आगामी योजनाओं व वित्तीय व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान लायन दलबीर सिंह, लायन जितेंद्र तूर और एडवोकेट लायन रिछपाल सिंह ने भी अपने विचार साझा किए।डायरेक्टर लायन दलबीर सिंह ने कहा कि किसी भी सामाजिक संस्था की सफलता उसके पारदर्शी और व्यवस्थित वित्तीय प्रबंधन पर निर्भर करती है। उन्होंने बताया कि लायन पवन सिंगला ने अपने कार्यकाल में आय-व्यय का सटीक और पारदर्शी रिकॉर्ड बनाए रखा।

ओढ़ धर्मशाला बनवाने की मांग को लेकर सीएम से मिलेगी सोसायटी

रतिया। बैठक में उपस्थित भागीरथ ओढ़ समाज वैल्फेयर सोसायटी के पदाधिकारी।

रतिया। भागीरथ ओढ़ समाज वैल्फेयर सोसायटी एवं रतिया विधानसभा के ओढ़ समाज के सदस्यों की बैठक रैस्ट हाऊस में प्रधान कालू राम की अध्यक्षता मंल हुई। बैठक में समाज के अन्य मुद्दों के साथ रतिया में ओढ़ समाज की धर्मशाला बनाने की मांग जोर-शोर से उठाई गई। सदस्यों ने कहा कि रतिया में ओढ़ समाज की धर्मशाला न होने के कारण समाज के लोगों को सुख-दुख व सामाजिक कार्य करवाने में बड़ी परेशानी झेलनी पड़ती है। रतिया क्षेत्र में ओढ़ समाज की संख्या काफी है। ऐसे में रतिया में ओढ़ समाज की धर्मशाला होना अति जरूरी है। समाज के लोगों ने बताया कि रतिया में धर्मशाला बनवाने की मांग को लेकर जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर उन्हें मांग पत्र सौंपा जाएगा। 6 जून को रतिया में भागीरथ जी महाराज की जयंती मनाने की मांग की जाएगी। इस मौके पर ओढ़ सभा के युवा प्रदेशाध्यक्ष छिंद्रपाल छिंदा नंगल, शिव जोधा, दर्शन मजोका, मास्टर राजकुमार, रमेश मिघानी, दर्शन मांगल, भोला ओड, साईदास नापा, दर्शन नापा, रमेश मजोका, ईश्वर नापा, जगदीश मुढ़ाई व अन्य मौजूद रहे।

गर्विष्ठा जैन ने जू-जित्सु में जीता कांस्य, स्कूल ने किया सम्मानित

सिरसा। जू-जित्सु नेशनल चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता गर्विष्ठा जैन को सम्मानित करते हुए।

सिरसा। सिरसा की उभरती हुई खिलाड़ी गर्विष्ठा जैन ने अपनी मेहनत और कौशल के दम पर जिले का नाम रोशन किया है। वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश में आयोजित जू-जित्सु नेशनल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली गर्विष्ठा जैन को उनकी इस उपलब्धि के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। रविवार को स्थानीय राज मार्शल आट्र्स अकादमी में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें गर्विष्ठा जैन को उनकी खेल प्रतिभा और भविष्य की तैयारी के लिए 42 हजार रुपए की स्कॉलरशिप प्रदान की गई। यह राशि उनके निरंतर अभ्यास और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के सपने को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ललित जैन प्रधान, सिरसा जू-जित्सु एसोसिएशन, राजकुमार वर्मा महासचिव एवं कोच, सुखराज टेक्निकल डायरेक्टर, गुरजीत सिंह कंबोज सचिव उपस्थित रहे। एसोसिएशन के प्रधान ललित जैन ने कहा कि गर्विष्ठा की यह सफलता केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे सिरसा जिले के लिए गर्व का विषय है।

गुरुद्वारा साहिब में बच्चों ने सीखा दस्तार बांधना

रतिया। शिविर में दस्तार बांधते हुए बच्चे।

रतिया। श्री गुरु अमरदास महाराज जी के प्रकाशोत्सव पर पुराना बाजार स्थित गुरुद्वारा साहिब में आयोजित 8 दिवसीय गुरमत एवं दस्तार सिखलाई शिविर में अनेक बच्चें दस्तार बांधने की कला सीख रहे हैं। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रचारक कुलदीप सिंह ने दस्तार बांधने की सेवा करते हुए कहा कि सिर पर दस्तार बांधना सिख की असली पहचान है। हर सिख को हर हाल में सिर पर दस्तार बांधनी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां इससे प्रेरणा ले सकें। प्रबंधक राजिंद्र सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब में 30 अप्रैल तक चलने वाले इस कैंप में शाम 4 से 6 बजे तक गुरमत एवं दस्तार सिखलाई की सेवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों के माता पिता शाम के समय इस कैंप में जरूर भेजें ताकि दस्तार सजाने की कला को सीख सकें और गुरबाणी से जुड़ सकें। इस मौके पर मनजीत सिंह, हरदीप सिंह, सुखबीर सिंह, राहुल सिंह, मनविंद्र सिंह सहित स्टाफ उपस्थित रहा।

सेंट जेवियर स्कूल में हुआ छात्र परिषद शपथ ग्रहण समारोह

सिरसा। सेंट जेवियर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा में सत्र 2026-27 के लिए छात्र परिषद शपथ समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि एसएचओ महिला थाना प्रभारी, सुनीता देवी ने विद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने छात्रों को महिला सशक्तिकरण और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया। प्रधानाचार्य फादर सेल्वराज पीटर ने नवनिर्वाचित छात्र नेताओं को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर शिक्षक भी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

रणनीति हिसार में राज्य स्तरीय कन्वेंशन करेंगे किसान संगठन

बाढ़ पीड़ित किसानों को मुआवजे के लिए भरेंगे हुंकार

■ ड्रेन में निकासी न होने के कारण किसानों को हो रहा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

किसान सभा जिला कमेटी की बैठक शहीद उधम सिंह भवन में आयोजित की गई। जिला प्रधान कामरेड विष्णु दत्त की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 27 अप्रैल को हिसार की जाट धर्मशाला में होने वाले राज्य स्तरीय किसान कन्वेंशन की तैयारियों को अंतिम रूप देना और किसानों को इसके लिए आमंत्रित करना था।

बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित किसान सभा हरियाणा के राज्य महासचिव सुमित दलाल ने कहा कि झज्जर से लेकर घग्गर क्षेत्र तक के किसान पिछले लंबे समय से बाढ़, जलभराव और सेम की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाया कि जल निकासी के स्थायी प्रबंध न होने और ड्रेनों की समय पर सफाई न होने के कारण हर साल किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल को हिसार की जाट धर्मशाला में होने वाली राज्य स्तरीय कन्वेंशन का उद्देश्य बाढ़ प्रभावित किसानों को जोडऩा और आंदोलन की आगामी रणनीति तय करना है। बैठक में निर्णय लिया गया कि जलभराव से प्रभावित प्रत्येक गांव से 3-4 किसान प्रतिनिधि इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

महासचिव सुमित दलाल ने सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आपदा राहत कोष का बजट कागजों में तो जारी होता है, लेकिन धरातल पर ड्रेनों की गाद और सफाई का काम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। उन्होंने खरीफ 2025 के फसल खराबे का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने किसान विरोधी आपत्तियां लगाकर अनेक किसानों का मुआवजा रोक दिया है, जो सरासर अन्याय है।

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते किसान सभा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सरकार के मुआवजा देने के दावे खोखले

सुमित दलाल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सभी पीड़ितों को मुआवजा देने के दावे खोखले साबित हुए हैं। बाढ़ और लापरवाही के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए अब किसानों को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। बैठक का संचालन जिला सचिव राजेन्द्र प्रसाद बाटू ने किया। इस दौरान किसान नेताओं ने 'झज्जर से घग्गर' तक के प्रभावित किसानों को एक मंच पर लाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने बकाया मुआवजे और जल निकासी के पुख्ता इंतजाम जल्द नहीं किए, तो 27 अप्रैल के कन्वेंशन में बड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। इस बैठक में सुभाष चन्द्र भादू, मुन्शी राम, अजय पाल, जगतार सिंह, केवल सिंह, धर्मपाल, ओमप्रकाश भूथन सहित जिले के अनेक प्रमुख किसान नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने दिया लंगरसेवा में योगदान

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय से समाजसेवी विषय पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों ने रविवार को श्री रामा क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित लंगर सेवा का अवलोकन किया और सेवा में अपना योगदान दिया। संस्था के उपप्रधान गुलशन गाबा ने बताया कि बताया कि इस अवसर पर संस्था के सदस्य नरेश गाबा, पवन सरपंच, रमेश मक्कड़, सुरेंद्र मेहता, बिशंबर चुघ, सतीश कुमार, श्यामलाल मेहता, गोविंदराम ग्रोवर, केवल नरूला ने भी लंगर सेवा की तथा छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर लायंस क्लब सिरसा अमर के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रमेश साहुवाला विशेष तौर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर साहुवाला ने कहा कि रामा क्लब के प्रधान अश्विनी बठला, उपप्रधान अनिल बांगा, गुलशन ग्रोवर, महासचिव गुलशन वधवा एवं उनकी टीम द्वारा प्रतिदिन लंगर सेवा करके एक उल्लेखनीय बताया।